

## आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं की तरज़ पर अब भोजन माताओं को भी मल्लिगी सम्मान राशलि चर्चा में क्यौं?

24 फरवरी, 2023 को मीडिया से मल्लि जानकारी के अनुसार उत्तराखंड के आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं की तरज़ पर अब प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कार्यरत भोजन माताओं को 60 साल की उमर में सेवानवृत्तपर सम्मान राशलि देने की तैयारी चल रही है। वभिाग की ओर से इसका प्रस्ताव तैयार कर शासन को भेजा गया है।

### प्रमुख बडि

- सरकारी स्कूलों में कार्यरत भोजन माताओं को 60 साल की उमर में सेवानवृत्तपर सम्मान राशलि देने के लयि पाँच करोड़ रुपए का कॉरपस फंड बनाया जाएगा, जसिके ब्याज से हर साल औसतन सेवानवृत्त होने वाली 600 भोजन माताओं को 10 से 25 हज़ार रुपए की सम्मान राशलि दी जाएगी।
- गौरतलब है कि महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास वभिाग के तहत कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्त्ताओं के सेवानवृत्त होने पर महिला कल्याण कोष से 30 हज़ार रुपए की धनराशलि दी जाती है, जबकि सरकारी स्कूलों में बच्चों के लयि मडि-डे मील बनाने वाली भोजन माताओं के सेवानवृत्त होने पर उन्हें कुछ नहीं मल्लिता।
- वभिाग की ओर से भोजन माताओं को सेवानवृत्तपर सम्मान राशलि देने का जो प्रस्ताव तैयार कयिा गया है, वह दो तरह का है।
- पहले प्रस्ताव में बताया गया है कि भोजन माताओं से हर महीने 144 रुपए अंशदान लयिा जाए या फरि सरकार की ओर से इसे जमा कयिा जाए, ऐसा करने से सेवा से हटने पर उन्हें 8654 से लेकर 51923 रुपए की धनराशलि मल्लिगी।
- दूसरे प्रस्ताव के अंतर्गत भोजन माताओं को 60 साल में सेवानवृत्त होने पर उन्हें 10 हज़ार रुपए से लेकर 25 हज़ार रुपए तक की धनराशलि दी जाएगी।
- उल्लेखनीय है कि प्रदेश में भोजन माताओं को अभी हर महीने 3000 रुपए मानदेय दयिा जा रहा है। इसमें 900 रुपए केंद्र सरकार की ओर से एवं 2100 रुपए राज्य सरकार की ओर से दयिे जाते हैं।
- वभिागीय अधिकारयिों के मुताबकि 3000 रुपए मानदेय को बढ़ाकर 5000 रुपए कयिे जाने का केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा गया है।